चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 15 मई 2026, अंक –280.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

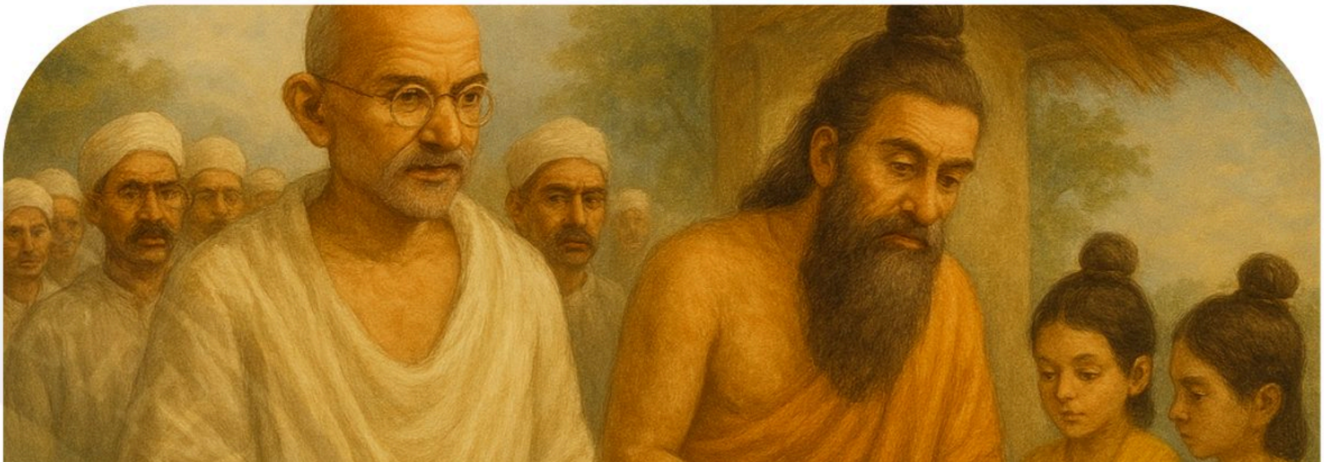

"मैदान में हारा हुआ इंसान फिर से जीत सकता है,
लेकिन मन से हारा हुआ कभी नहीं।"

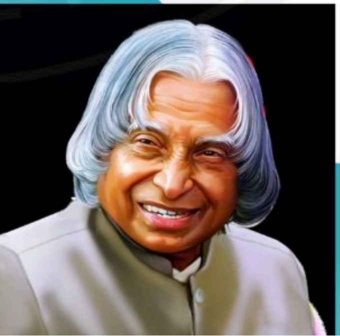

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक
उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Friday Prayer

लब पे आती है दुआ बनके तमन्ना मेरी,
जिंदगी शम्मे की सूरत हो खुदाया मेरी।

हो मेरे दम से यूं ही मेरे वतन की ज़ीनत,
जिस तरह फूल से होती है चमन की ज़ीनत।

जिंदगी हो मेरी परवान की सूरत या रब,
इल्म की शम्मा से हो मुझको मोहब्बत या रब।

हो मेरा काम ग़रीबों की हिमायत करना,
दर्दमंदों से जइफों से मोहब्बत करना।

मेरे अल्लाह बुराई से बचना मुझको,
नेक जो राह हो उस रह पे चलाना मुझको।

-मोहम्मद आलम इक़बाल

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

अनुभाग-2

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. सऊदी अरब की राजधानी क्या है?
उत्तर: रियाद
प्रश्न 2. भारत के पहले भारतीय नौसेना प्रमुख कौन थे?
उत्तर: रामदास कटारी
प्रश्न 3. 'हेराथ' पर्व भारत के किस राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में मनाया जाता है?
उत्तर: जम्मू-कश्मीर
प्रश्न 4. 361 का वर्गमूल क्या है?
उत्तर: 19
प्रश्न 5. बिहार का कौन-सा जिला 'चूड़ा-दही' परंपरा के लिए प्रसिद्ध है?
उत्तर: पटना
प्रश्न 6. नंदनकानन जैव उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: ओडिशा
प्रश्न 7. लाउडस्पीकर का आविष्कार किसने किया?
उत्तर: होरेस शॉर्ट
प्रश्न 8. भारत के संविधान में 'मौलिक कर्तव्य' किस देश के संविधान से लिए गए हैं?
उत्तर: रूस
प्रश्न 9. 'विद्वान' शब्द का स्त्रीलिंग क्या है?
उत्तर: विदुषी
प्रश्न 10. हमारे शरीर में रक्त को छानने का कार्य कौन-सा अंग करता है?
उत्तर: गुर्दा

संकलन:-
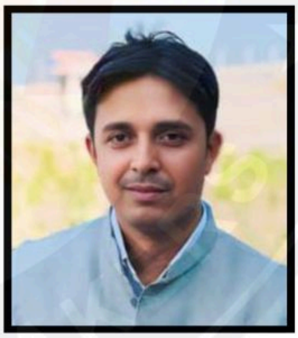
पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Airport – (एयरपोर्ट) – हवाई अड्डा
Airplane – (एयरप्लेन) – हवाई जहाज़
Pilot – (पायलट) – वैमानिक
Journey – (जर्नी) – यात्रा
Luggage – (लगेज) – सामान
Passport – (पासपोर्ट) – पासपोर्ट
Tourist – (टूरिस्ट) – पर्यटक

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "वह ... करता/करती है" (He/She ...s)

वह पढ़ता है। – He reads.
वह लिखता है। – He writes.
वह खेलता है। – He plays.
वह खाना खाता है। – He eats food.
वह अंग्रेज़ी सीखता है। – He learns English.

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटाहां
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. 15 मई को परिवारों के महत्व और उनके सामाजिक योगदान के सम्मान में कौन सा वैश्विक दिवस मनाया जाता है? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस
व्याख्या: संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिवर्ष 15 मई को 'International Day of Families' मनाया जाता है। यह दिवस परिवारों के कल्याण, उनके सामने आने वाली चुनौतियों और समाज की आधारभूत इकाई के रूप में उनकी मजबूती पर ध्यान केंद्रित करता है।
संदर्भ: United Nations (2026)।

2. हाल ही में 'भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन' (ISRO) ने समुद्र की निगरानी हेतु किस नए उपग्रह को लॉन्च किया है? (समसामयिकी)
उत्तर: ओशनसैट-4 (EOS-08)
व्याख्या: मई 2026 में इसरो ने महासागरों के तापमान और समुद्री हवाओं के सटीक अध्ययन के लिए इस उपग्रह को कक्षा में स्थापित किया। यह चक्रवात की सटीक भविष्यवाणी और मछुआरों की सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण तकनीकी कदम है।
संदर्भ: ISRO Media Desk, May 2026।

3. प्राचीन दक्षिण भारतीय समाज में 'शिल्पियों' के संगठन को किस नाम से पुकारा जाता था? (इतिहास - पुस्तक)
उत्तर: श्रेणी
व्याख्या: प्राचीन भारत में बुनकरों, कुम्हारों और अन्य शिल्पकारों ने अपने हितों की रक्षा और व्यापार के प्रबंधन के लिए 'श्रेणी' नामक संगठन बनाए थे। ये श्रेणियाँ बैंकों की तरह भी कार्य करती थीं, जहाँ लोग अपना धन जमा करते थे।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 9 Vital Villages, Thriving Towns, p. 91।

4. 'अटलांटिक महासागर' का आकार अंग्रेजी के किस अक्षर के समान है? (पर्यावरण/भूगोल)
उत्तर: 'S' आकार
व्याख्या: अटलांटिक महासागर विश्व का दूसरा सबसे बड़ा महासागर है। इसका आकार अंग्रेजी के 'S' अक्षर जैसा है। इसकी तटरेखा बहुत अधिक दंतुरित (Indented) है, जो इसे प्राकृतिक बंदरगाहों के लिए आदर्श बनाती है। व्यापारिक दृष्टिकोण से यह विश्व का सबसे व्यस्त महासागर है।
संदर्भ: NCERT Class 6 Geography, Ch 5 Major Domains of the Earth, p. 34।

5. प्राचीन भारत में 'ग्राम भोजक' किसे कहा जाता था? (इतिहास)
उत्तर: गाँव का प्रधान
व्याख्या: उत्तर भारत के गाँवों में 'ग्राम भोजक' सबसे शक्तिशाली व्यक्ति होता था, जो अक्सर गाँव का सबसे बड़ा भू-स्वामी होता था। वह राजा के लिए कर वसूलने के साथ-साथ न्यायाधीश और पुलिस की भूमिका भी निभाता था।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 9 Vital Villages, Thriving Towns, p. 88।

"सामान्य-ज्ञान"

6. विश्व का वह कौन सा महासागर है जिसका नाम किसी देश के नाम पर रखा गया है? (भूगोल)
उत्तर: हिंद महासागर (Indian Ocean)
व्याख्या: हिंद महासागर एकमात्र ऐसा महासागर है जिसका नाम हमारे देश 'भारत' (India) के नाम पर पड़ा है। यह महासागर आकार में लगभग त्रिभुजाकार है और इसके उत्तर में एशिया, पश्चिम में अफ़्रीका और पूर्व में ऑस्ट्रेलिया स्थित है।
संदर्भ: NCERT Class 6 Geography, Ch 5 Major Domains of the Earth, p. 34।

7. भारतीय संविधान का 'अनुच्छेद 51A' नागरिकों के किस अधिकार या कर्तव्य का उल्लेख करता है? (संविधान)
उत्तर: मौलिक कर्तव्य
व्याख्या: अनुच्छेद 51A में 11 मौलिक कर्तव्यों का विवरण है, जो नागरिकों को संविधान का पालन करने, राष्ट्रध्वज का सम्मान करने और भाईचारा बनाए रखने की प्रेरणा देते हैं। इन्हें 42वें संशोधन द्वारा जोड़ा गया था।
संदर्भ: NCERT Class 11 Pol. Science, Ch 2 Rights in the Indian Constitution, p. 45।

8. मानव शरीर में 'हड्डियों' को 'मांसपेशियों' से जोड़ने वाले ऊतक को क्या कहते हैं? (विज्ञान)
उत्तर: कंडरा (Tendon)
व्याख्या: टेंडन (Tendon) एक मजबूत और लचीला ऊतक है जो मांसपेशियों को हड्डियों से जोड़ता है, जिससे शरीर में गति संभव होती है। वहीं हड्डियों को हड्डियों से जोड़ने वाले ऊतक को स्नायु (Ligament) कहते हैं। यह मानव शरीर क्रिया विज्ञान की एक बुनियादी अवधारणा है।
संदर्भ: NCERT Class 9 Science, Ch 6 Tissues, p. 75।

9. विश्व प्रसिद्ध 'एलोरा की गुफाओं' में स्थित 'कैलाश मंदिर' का निर्माण किस राजवंश ने करवाया था? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: राष्ट्रकूट वंश
व्याख्या: महाराष्ट्र के औरंगाबाद में स्थित इस भव्य मंदिर का निर्माण राष्ट्रकूट राजा कृष्ण प्रथम ने करवाया था। यह एक ही विशाल चट्टान को ऊपर से नीचे की ओर काटकर बनाया गया दुनिया का सबसे बड़ा एकाश्मक (Monolithic) मंदिर है।
संदर्भ: NCERT Class 7 History, Ch 2 New Kings and Kingdoms, p. 19।

10. बिहार के किस जिले में 'कंवर झील' (Kanwar Lake) स्थित है, जो एशिया की सबसे बड़ी गोखुर झील है? (बिहार GK)
उत्तर: बेगुसराय
व्याख्या: बेगुसराय की कंवर झील बिहार का पहला 'रामसर स्थल' है। यह साइबेरियाई पक्षियों के लिए एक प्रमुख आश्रय स्थल है। भौगोलिक दृष्टि से यह गंडक नदी के पुराने मार्ग से बनी एक विशाल गोखुर झील (Ox-bow lake) है।
संदर्भ: Bihar State Wetlands Authority; NCERT Map Context।

"सामान्य-ज्ञान"

11. सुरक्षित शनिवार के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति को लू (Heatwave) लग जाए, तो उसकी पहचान का मुख्य लक्षण क्या है? (विद्यालय सुरक्षा)
उत्तर: शरीर का उच्च तापमान/बेहोशी
व्याख्या: मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम (मई W2) के अनुसार, लू लगने पर व्यक्ति के शरीर का तापमान तेजी से बढ़ता है, पसीना आना बंद हो जाता है और सिरदर्द या बेहोशी जैसे लक्षण दिखते हैं। ऐसे में व्यक्ति को तुरंत छायादार स्थान पर ले जाना चाहिए।
संदर्भ: आपदा जोखिम न्यूनीकरण कैलेंडर 2026, बिहार सरकार।

12. 'A', 'B' की माता है। 'B', 'C' का पुत्र है। 'C', 'D' का भाई है। 'D', 'A' की क्या लगती है? (रीजनिंग)
उत्तर: ननद (Sister-in-law)
व्याख्या: चूंकि B, A का पुत्र है और C का भी पुत्र है, तो A और C पति-पत्नी हुए (A माता, C पिता)। चूंकि D, C की बहन है, इसलिए D का रिश्ता A के साथ 'पति की बहन' यानी 'ननद' का होगा।
संदर्भ: Logical Reasoning, Blood Relation Module (2026)।

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Soothe (सूध) = Calm / Comfort (कॉल्म / कम्फर्ट) = शांत करना
🔁 Antonym – Agitate (एजिटेट) = उत्तेजित करना
Thrive (थ्राइव) = Prosper / Flourish (प्रॉस्पर / फ्लरिश) = उन्नति करना
🔁 Antonym – Decline (डिक्लाइन) = गिरावट होना
Uplift (अपलिफ्ट) = Encourage / Raise (एन्करेज / रेज़) = उत्साहित करना
🔁 Antonym – Depress (डिप्रेस) = निराश करना
Vanish (वैनिश) = Disappear (डिसअपियर) = गायब हो जाना
🔁 Antonym – Appear (अपियर) = प्रकट होना
Wander (वॉन्डर) = Roam / Travel Aimlessly (रोम / ट्रैवल एमलेस्ली) = इधर-उधर घूमना
🔁 Antonym – Stay (स्टे) = ठहरना

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Government launches 'Digital National Health Stack'; India to introduce 'One Patient, One Record' system with blockchain security across 1,000 public hospitals.
केंद्र सरकार ने 'डिजिटल नेशनल हेल्थ स्टैक' लॉन्च किया; भारत के 1,000 सरकारी अस्पतालों में ब्लॉकचेन सुरक्षा के साथ 'एक मरीज, एक रिकॉर्ड' प्रणाली शुरू की जाएगी।

India successfully test-fires 'Agni-P (Prime)' with new maneuverable reentry vehicle (MaRV) technology; enhances deterrence capabilities with precision strike.
भारत ने नई मैन्यूवरेबल रीएंट्री व्हीकल (MaRV) तकनीक के साथ 'अग्नि-पी (प्राइम)' का सफल परीक्षण किया; यह सटीक हमले के साथ रक्षा क्षमताओं को और मजबूत करेगा।

Ministry of Shipping inaugurates 'Vadhvan Port 2.0'; India's first fully automated port to handle mega-ships, aiming to become one of the top 10 global ports.
जहाजरानी मंत्रालय ने 'वधवन पोर्ट 2.0' का उद्घाटन किया; मेगा-जहाजों को संभालने वाला भारत का पहला पूरी तरह से स्वचालित बंदरगाह, जिसका लक्ष्य शीर्ष 10 वैश्विक बंदरगाहों में शामिल होना है।

INTERNATIONAL NEWS

UN Security Council passes 'Global AI Safety Accord'; mandates 'Red-Teaming' and human-in-the-loop for advanced generative models worldwide.
संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने 'ग्लोबल एआई सेफ्टी एकॉर्ड' पारित किया; दुनिया भर में उन्नत जनरेटिव मॉडल के लिए 'रेड-टीमिंग' और मानवीय निगरानी (human-in-the-loop) को अनिवार्य किया गया।

BBC News: Scientists in Singapore develop 'Wireless Charging Road' for EVs; achieves power transfer while driving at speeds up to 100 km/h.
बीबीसी न्यूज़: सिंगापुर के वैज्ञानिकों ने इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए 'वायरलेस चार्जिंग रोड' विकसित की; 100 किमी/घंटा की गति से वाहन चलाते समय भी बिजली हस्तांतरण संभव।

WHO reports first successful 'Xenotransplantation' trial using genetically modified pig organs in three countries; a breakthrough for global organ shortage.
विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की रिपोर्ट: तीन देशों में जेनेटिकली मॉडिफाइड सूअर के अंगों का उपयोग कर पहला सफल 'जेनोट्रांसप्लांटेशन' परीक्षण; वैश्विक अंग कमी के संकट के लिए बड़ी उम्मीद।

BIHAR NEWS

Bihar Government to build 'International Convention Centre' in Bodh Gaya, will feature AI-based multilingual translation for global delegates.
बिहार सरकार बोधगया में 'अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र' बनाएगी; इसमें वैश्विक प्रतिनिधियों के लिए एआई-आधारित बहुभाषी अनुवाद की अत्याधुनिक सुविधा होगी।

SCERT Bihar launches 'Skill-Connect' portal for rural students; provides direct internship links with 500+ local Agri-Tech and Food-Processing units.
एससीईआरटी बिहार ने ग्रामीण छात्रों के लिए 'स्किल-कनेक्ट' पोर्टल लॉन्च किया; यह 500 से अधिक स्थानीय एग्री-टेक और फूड-प्रोसेसिंग इकाइयों के साथ सीधे इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करेगा।

SPORTS NEWS

India wins the 'World School Athletics Championship 2026' in Athens; finishes top of the medal tally with 12 gold medals.
भारत ने एथेंस में आयोजित 'विश्व स्कूल एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026' जीती; 12 स्वर्ण पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया।

BCCI introduces 'Impact Player 2.0' in domestic T20s; allows strategic substitution of two players per innings instead of one.
बीसीसीआई ने घरेलू टी20 में 'इम्पैक्ट प्लेयर 2.0' पेश किया; अब एक पारी में एक के बजाय दो खिलाड़ियों के रणनीतिक प्रतिस्थापन (substitution) की अनुमति होगी।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"NEWS केवल जानकारी नहीं, बल्कि बदलते विश्व के साथ खुद को बदलने का माध्यम है। निरंतर पढ़ें, निरंतर बढ़ें।"

प्रेरक प्रसंग

"घर की असली दौलत"

आशु को लगता था कि दुनिया में सबसे महत्वपूर्ण चीज़ मोबाइल, इंटरनेट और उसके दोस्त हैं। स्कूल से लौटते ही वह अपने कमरे में चला जाता। दादी की बातें उसे पुरानी लगतीं, माँ की सलाह उसे रोक-टोक जैसी लगती और पिता की मेहनत पर वह कभी ध्यान नहीं देता था।

एक दिन विद्यालय में निबंध का विषय मिला—"परिवार का महत्व"। आशु ने सोचा कि परिवार तो बस साथ रहने वाले लोगों का समूह है। उसे लगा कि उसकी असली ताकत तो उसका मोबाइल, उसकी बुद्धि और उसके मित्र हैं।

लेकिन उसी शाम अचानक उसकी तबीयत खराब हो गई। तेज बुखार के कारण वह बिस्तर से उठ भी नहीं पा रहा था।

रात भर माँ उसके सिर पर ठंडी पट्टी रखती रहीं। पिता दवा लेने के लिए देर रात बाहर गए। दादी उसके पास बैठकर कहानियाँ सुनाती रहीं ताकि उसका मन शांत रहे। छोटी बहन चुपचाप उसके लिए पानी लाती रही।

दो दिनों बाद जब आशु स्वस्थ हुआ, तो उसने देखा कि उसके मोबाइल ने कोई सेवा नहीं की, इंटरनेट ने उसके माथे पर हाथ नहीं रखा, और अधिकांश मित्र केवल "जल्दी ठीक हो जाओ" लिखकर रह गए। लेकिन परिवार का हर सदस्य बिना थके उसके साथ खड़ा रहा।

अगले दिन उसने अपना निबंध लिखा—"परिवार केवल एक शब्द नहीं, बल्कि प्रेम, त्याग और सुरक्षा का दूसरा नाम है। माता-पिता हमें जीवन देते हैं, दादा-दादी अनुभव और आशीर्वाद देते हैं, भाई-बहन हर सुख-दुख में साथ निभाते हैं। परिवार वह छाया है, जो कठिन समय में हमें संभालती है।"

उस दिन आशु ने पहली बार दादी के चरण छुए और माता-पिता को धन्यवाद कहा।

संदेश : "घर की सबसे बड़ी दौलत धन नहीं, बल्कि अपने लोगों का प्रेम, आशीर्वाद और साथ होता है।"

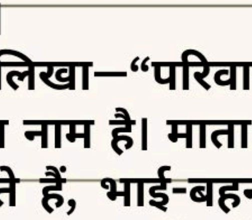

.................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

कक्षा हेतु निर्धारित समय का विभाजन कैसे करें ?

विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने हेतु विद्यालय के सभी शिक्षकों के द्वारा योजना बनाकर कक्षा में अध्यापन कार्य संपादित किया जा रहा है। इसी क्रम में उनके द्वारा एक कक्षा के लिए निर्धारित समय को छात्रों की आवश्यकता एवं शिक्षक की सुविधा के अनुरूप इस प्रकार विभाजित किया जाता हैं कि जिससे कक्षा में पढ़ाई रोचक और प्रभावी हो और छात्रों में अधिगम परिलक्षित हो। बाल मनोवैज्ञानिकों एवं शिक्षाविदों के द्वारा सुझाए गए तरीकों के आधार पर हमें अपनी कक्षा के लिए निर्धारित समय 40 मिनट को निम्न तरीके से विभाजित करना चाहिए।

हमें कक्षा में जाते ही सबसे पहले छात्रों से संबंधित विषय एवं अवधारणा पर आधारित उनके पूर्व की पढ़ाई एवं जानकारी पर बात कर उसकी पुनरावृत्ति करनी चाहिए। उक्त हेतु हमें उनसे उस अवधारणा से संबंधित पिछले पाठ के 2−3 प्रश्न पूछना चाहिए। इससे हमें यह पता चल जाएगा कि छात्रों का उस अवधारणा से संबंधित पूर्व ज्ञान क्या है और छात्रों को यह पता चल जाएगा कि आज कक्षा में उन्हें क्या सीखना है। इस पूरी गतिविधि में हमें लगभग 05 मिनट लगाना चाहिए।

फिर हमें मुख्य अध्यापन अवधारणा पर आना चाहिए। इसके अन्तर्गत सबसे पहले अवधारणा पर आधारित नई बातों को समझाना चाहिए। आवश्यकता अनुसार शिक्षण अधिगम सामग्री, उदाहरण, चित्र, गतिविधि या बोर्ड कार्य का उपयोग करते हुए अपनी बात छात्रों के समक्ष प्रस्तुत करनी चाहिए। इस गतिविधि में हमें लगभग 20 मिनट लगाना चाहिए। तत्पश्चात हमें सीखे गए अवधारणा पर आधारित कुछ अभ्यास कार्य छात्रों से कराना चाहिए इसमें हमें सबकी सहभागिता सुनिश्चित करनी चाहिए। इसमें बच्चों से प्रश्न पूछना, कुछ समूह कार्य कराना, लिखित अभ्यास कार्यछं, मौखिक पश्नोतरी कराया जा सकता है। इस कार्य में हमें लगभग 10 मिनट का समय लगाना चाहिए।

और अंत में हमें सीखे गए अवधारणा की पुनरावृत्ति कराते हुए कुछ गृहकार्य छात्रों को देना चाहिए। इसके अन्तर्गत मुख्य बिंदुओं का सार, गृहकार्य देना, कमजोर छात्रों की शंका दूर करना जैसे कार्य कराना चाहिए। इस कार्य में हमें लगभग 5 मिनट तक लगाना चाहिए। अध्यापन वाली कक्षा अगर प्राथमिक कक्षा है तो बीच-बीच में छोटे-छोटे गतिविधि या खेलों भी शामिल करना चाहिए ताकि बच्चे रुचि बनाए रखें।

यदि हम शिक्षकों के पास कक्षा में जाने के पूर्व कक्षा हेतु निर्धारित समय का उपरोक्त अनुसार विभाजन रहे तो छात्रों का सीखना आसान होगा और हमारी कक्षा गुणवत्तापूर्ण होगी।

..................✍️
मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर

बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉज़िटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र|बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है।

एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- ■ चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- ■ गर्मियो की छूट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की

01

सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया।

आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

---

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- • यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- • शिक्षकों के सामूहिक प्रयाह से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक,

सरकारी विद्यालयो मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"बिहार-दर्शन"

प. चंपारण: हिमालय की तराई, गंडक का साम्राज्य और जनजातीय संस्कृति

'संपादकीय' ✍️

पश्चिम चंपारण की भौगोलिक संरचना बिहार के अन्य मैदानी जिलों की तुलना में अत्यंत विशिष्ट और विविधतापूर्ण है। यह बिहार का एकमात्र ऐसा जिला है जहाँ हिमालय की शिवालिक श्रेणियों का विस्तार पाया जाता है। उत्तर में स्थित सोमेश्वर श्रेणी की ऊँचाई न केवल यहाँ की जलवायु को नियंत्रित करती है, बल्कि यह नेपाल के साथ भारत की अंतरराष्ट्रीय सीमा का एक प्राकृतिक प्रहरी भी है। यहाँ की मिट्टी में तराई क्षेत्र की नमी और कंकड़-युक्त बनावट का मिश्रण है, जो इसे जैव-विविधता की दृष्टि से भारत के सबसे समृद्ध क्षेत्रों में से एक बनाता है। इस भौगोलिक विशिष्टता के कारण ही यहाँ की वनस्पतियाँ और जीव-जंतु हिमालयी और मैदानी, दोनों पारिस्थितिकी तंत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

इस अनूठे भूगोल की गोद में निवास करने वाली थारू और उरांव जनजातियाँ चंपारण की सांस्कृतिक रीढ़ हैं। थारू जनजाति, जो स्वयं को 'तराई का राजा' मानती है, अपनी अनूठी जीवनशैली के लिए वैश्विक स्तर पर जानी जाती है। इनका समाज पारंपरिक रूप से प्रकृति के साथ गहरे सामंजस्य में रहता है; इनके घर मिट्टी, बाँस और घास-फूस से बने होते हैं जो न केवल भूकंप-रोधी होते हैं बल्कि तराई की जलवायु के अनुकूल भी होते हैं। थारू संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता उनका मातृसत्तात्मक झुकाव और सामुदायिक निर्णय लेने की प्रणाली है। उनके लोक नृत्य जैसे 'झमटा' और 'करमा', तथा 'मूंज' की कलाकृतियाँ उनकी रचनात्मकता का प्रमाण हैं। यह जनजाति गंडक और जंगलों को पूजती है, जो पर्यावरण संरक्षण के आधुनिक सिद्धांतों का एक प्राचीन स्वरूप है।

उरांव जनजाति, जिसे इस क्षेत्र में 'धांगड़' के नाम से भी जाना जाता है, अपनी अदम्य ऊर्जा और श्रमशीलता के लिए प्रसिद्ध है। ऐतिहासिक रूप से ये लोग खेती और वनीकरण के कार्यों में निपुण रहे हैं। उरांव समाज की अपनी एक समृद्ध मौखिक परंपरा है, जिसमें उनकी भाषा, गीत और लोककथाएं पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित होती रहती हैं। उनकी संस्कृति में 'अखड़ा' (सामुदायिक नृत्य का स्थान) का विशेष महत्व है, जहाँ उत्सवों के दौरान पूरा समाज संगीत की लय पर एकजुट होता है। थारू और उरांव दोनों ही समुदायों ने आधुनिकता के दबाव के बावजूद अपनी जड़ों को सुरक्षित रखा है, जो नृवंशविज्ञान (Ethnography) के वैश्विक शोधकर्ताओं के लिए आकर्षण का एक बड़ा केंद्र है।

इस क्षेत्र की जीवनरेखा नारायणी यानी गंडक नदी है, जिसका प्रवाह केवल सिंचाई का साधन नहीं बल्कि एक प्राचीन सभ्यता का संवाहक है। नेपाल के हिमालय से निकलकर चंपारण के मैदानों में उतरने वाली यह नदी अपने साथ प्रचुर मात्रा में 'शालिग्राम' पत्थर भी लाती है, जो इसे आध्यात्मिक और पुरातात्विक रूप से वैश्विक पहचान दिलाते हैं। गंडक पर बना वाल्मीकि नगर बराज न केवल उत्तर बिहार और उत्तर प्रदेश के बड़े हिस्से की प्यास बुझाता है, बल्कि यह सीमावर्ती क्षेत्रों के बीच आर्थिक और सामाजिक सहयोग का एक अंतरराष्ट्रीय सेतु भी है। गंडक की सहायक नदियाँ जैसे मसान, पंडई और सिकरहना, इस भूमि को 'बहु-फसली' उपजाऊ मैदान में बदल देती हैं, जिससे यह क्षेत्र कृषि-निर्यात की दृष्टि से राज्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाता है।

पर्यावरण संरक्षण के वैश्विक मानचित्र पर वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (VTR) इस जिले का सबसे चमकदार रत्न है। लगभग 899 वर्ग किलोमीटर में फैला यह संरक्षित क्षेत्र बिहार का एकमात्र राष्ट्रीय उद्यान और बाघ अभयारण्य है। यह रॉयल बंगाल टाइगर के अलावा भारतीय गैंडे, तेन्दुए और दुर्लभ प्रजाति के पक्षियों का सुरक्षित आश्रय स्थल है। इसकी महत्ता इस बात से समझी जा सकती है कि यह नेपाल के 'चितवन नेशनल पार्क' के साथ एक विशाल पारिस्थितिक गलियारा बनाता है, जो वन्यजीवों के निर्बाध विचरण के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनिवार्य माना जाता है। यहाँ का घना साल और खैर का जंगल 'कार्बन सिंक' के रूप में कार्य करता है, जो वैश्विक जलवायु परिवर्तन के दौर में इस पूरे क्षेत्र के वायुमंडल को शुद्ध रखने में एक महती भूमिका निभाता है।

अंततः, पश्चिम चंपारण की यह भौगोलिक और जनजातीय भव्यता केवल पर्यटन का विषय नहीं है, बल्कि यह सतत विकास का एक बेहतरीन मॉडल पेश करती है। हिमालय की गोद से लेकर गंडक के विशाल पाट तक, यह जिला प्रकृति और मानव के बीच एक अटूट संतुलन की कहानी कहता है। यहाँ की पारिस्थितिकी और जनजातीय विरासत का संरक्षण न केवल बिहार के लिए, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया के पर्यावरण संतुलन के लिए अनिवार्य है। चंपारण की यह गहरी समझ हमें बताती है कि कैसे एक समाज अपनी प्राकृतिक संपदा और प्राचीन पहचान को अक्षुण्ण रखते हुए भी भविष्य की ओर कदम बढ़ा सकता है।

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-
शैलेन्द्र कुमार
'प्रधान शिक्षक'
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।
(10010803702)
📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080
teachersofbihar@gmail.com
+917250818080
www.teachersofbihar.org